



रोगसे बच्ना भजहर पूजा

धनगढी-खुटिया सडक खण्डमे पक्की पुल निर्माण



पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १२ वैशाख । प्रकृतिपूजाक थारु समुदायमे रोगव्याधि लागे नैडहक लाग

भजहर पूजा कैना चलन रहल बावै । गाउँसे कुछ दुर प्रकृतिके कोखमे पुगके यी पूजा कैना चलनहे बर्का भजहर वा

चिरै भजहर कहना करल बावै । खेतीपातीके कामसे फुसद हुइलपाछे गर्मी मौसममे रुखाके छाहीटर रमैटी

कैलालीलागायत टमान जिल्लामे थारु समुदायके मनै भजहर पूजामे रमैटी रहल बटै । यी पूजामे गाउँके गुरुवा गाउँघरमे रोगव्याधि नआए, बालबच्चा सुखीखुसी रहिट, गोरू, गैया, भैंसीनहे रोगव्याधि नलागे ओ खेतीपातीमे किराके प्रकोप नहोए कहिके पूजा कैना चलन रहल बावै ।

गाउँघरमे रहल बालबालिकासे घरपालुवा पशुहे रोगव्याधिसे बचाइक लाग यी पूजा कैना करल धनगढी उपमहानगरपालिका-१६ के गुरुवा मंगर चौधरी बटैलै । “भजहर पूजा कैनासे गाउँघरमे रोगव्याधिलगायत टमान समस्या नैआइठ,” उहाँ कहलै ।

स्थानीयके अनुसार चिरै भजहर एक दिन ओ बर्का भजहर पूजा एक अँठवारसम मनैना करजाइठ । भजहर पूजा अवधिभर गाउँभरके खाना घरसे बाहर भजहर पूजा स्थलमे पक्का करठ । गुरुवा पूजा करसेकलपाछे खानपान कैके महिला छुर, कबड्डी, कुइली डिडीलगायतके पौराणिक खेल खेलके रमैना चलन रहल बावै । ओस्टके कहौरो डगरा छेकके बटुवनसे स्वेच्छिक दक्षिणा फेन लेना करल पाजाइठ । भजहर थारु समुदायके मौलिक ओ परम्परागत पूजा रहल धनगढी उपमहानगरपालिका-१६ के पूर्ववडाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण चौधरी बटैलै ।



पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १२ वैशाख । धनगढी-खुटिया-बिपीनगर-दिपायल द्रुतमार्गअन्तर्गत धनगढी-स्याउले खण्डमे दुईठो पक्की पुलके निर्माण प्रारम्भ हुइल बावै ।

धनगढी-स्याउले सडक योजना कार्यालयके इञ्जिनियर दिनेश रैखोलाके अनुसार उक्त सडकअन्तर्गत गोदावरी नगरपालिका-८ होके बहना जोनापुर खोलुवा ओ धनगढी उपमहानगरपालिका-५ सुकुटी खोलुवामे पक्की पुल निर्माण हुइटी रहल हो ।

पुल निर्माणके लाग रु तीन करोड १५ लाखमे गत पुसमे निर्माण कम्पनीसँग सम्भौता हुइल रहे । जोनापुर खोलुवाके पुल ५० प्रतिशत बनल बा

कलेसे सुकुटी खोलुवामे धमाधम पिलर उठाजैटी रहल बावै ।

आयोजना कार्यालयके अनुसार १३ किलोमिटर सडक कालोपत्र हुइल बा । विसं २०६४ मे खुटिया-दिपायल द्रुतमार्गके ‘ट्रयाक’ खोलल हो । पहिल चरणमे खुटियासे दिपायलसम ८२ किलोमिटर ओ स्याउले-धनगढी १० किलोमिटर सडकके सभै हुइल रहे ।

धनगढी-खुटिया-दिपायल-चैनपुर-उरैभञ्ज्याङ ‘फास्टट्रयाक’ छोट दूरीलागायत अन्य दृष्टिकोणसे महत्वपूर्ण मानल उक्त सडक निर्माणके लाग सरकारसे पर्याप्त बजेट विनियोजन नैकरेबर निर्माणमे विलम्ब हुइल बावै ।

भजहरहे जोरके फुटबल प्रतियोगिता

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १२ वैशाख । कैलालीके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ८, लोहारपुरमे थारु साँस्कृतिक पाँचौ बर्का भजहर कप फुटबल प्रतियोगिता सञ्चालन हुइना हुइल बावै ।

युवा जनहित क्लबके अयोजनामे इहे वैशाख १७ गतेसे २४ गतेसम खेलकुद प्रतियोगिता हुइना शुकके धनगढीमे पत्रकार सम्मेलन मार्फत जानकारी डेहल बावै । थारु समुदायके लोप हुइटी गैल मौलिक टिहुवार तथा संस्कृति संरक्षण सम्बर्द्धन कैना उद्देश्यसे भजहरके अवसरमे खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना करे लागल क्लबके उपाध्यक्ष कालुराम चौधरी बटैलै । उहाँ फुटबल प्रतियोगिता सँगै थारु समुदायके पौराणिक खेलकुद फेन आयोजना कैना बटैलै ।

उपाध्यक्ष चौधरीके अनुसार फुटबल प्रतियोगिताके साथै थारु समुदायके



महिलाके लाग छुर, डेल्ला दौड, टाँरा चिरौवर, कबड्डी, कुइली विदी तथा पुरुष डेगा दौड लगायतके प्रतियोगिता आयोजना कैना बटैलै ।

आयोजक क्लबके अनुसार फुटबल प्रतियोगिताके विजेता एकलाख ओ उपविजेता ५० हजार रुपैयाँ पुरस्कार पैना बटै । फुटबल प्रतियोगिताके लाग १६ टिमके सहभागिता रहना जनाइल बावै ।

थारु समुदायमे रोगव्याधि लागे नैडहक लाग भजहर पूजा कैना चलन रहल बावै । । गाउँसे कुछ दुर रुखाके छाहीमे रमाइलो कैटी यी पूजा करजाइठ । यी पूजामे गाउँके गुरुवा गाउँघरमे रोगव्याधि नआए, बालबच्चा सुखीखुसी रहिट, गोरू, गैया, भैंसीनहे रोगव्याधि नलागे ओ खेतीपातीमे किराके प्रकोप नहोए कहिके पूजा कैना चलन रहल बावै ।

आगलागीबारे चनाखो बनौ

- खाना पकाइसेकेपछि आगो, ग्याँस, चुल्हो, स्टोभ वा हिटर निभाऔं,
 - सिलिन्डरको रेगुलटर, पाइप, चुल्होबाट ग्याँस चुहावट (लिक) भएको छ/छैन, ख्याल गरौं,
 - पेट्रोललागायत प्रज्वलनशील पदार्थको गन्ध आए बेवास्ता नगरौं,
 - सलाई, लाइटरजस्ता वस्तु बालबालिकाले भेटाउने ठाउँमा नराखौं,
 - गोठमा कुँडो पकाइसेकेपछि राम्ररी आगो निभाऔं । जथाभावी आगो नबालौं,
 - चुरोट, तमाखु, चिलिम, हुक्का र सुल्फा नखाऔं,
 - विजुलीका तार, प्लग, स्वीच वा वायरिङको नियमित जाँच गरौं,
 - घरवस्तीनजिकै पोखरी, ट्याङ्की वा अरु कुनै तरिकाले पानीको जोहो गरौं,
- आगलागी भएमा स्थानीय तह, प्रहरी कार्यालय, दमकल, स्थानीय प्रशासन कार्यालयमा खबर गरौं ।



पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षाघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८८८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८८८४९४४१८)

आषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुआ सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

कागुली सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८२६४१६०१)

हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८८८४४३०३६)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समेजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

प्रदेश सरकारसे विद्यालय संरचनामे लगानी

दाचुला, १२ वैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके बजेटसे दाचुलाके सामुदायिक विद्यालयमे यी बरस थप पाँचठो लावा विद्यालय भवन निर्माण हुइटी रहल बावै ।

सामुदायिक विद्यालयके शिक्षामे गुणस्तर लानक लाग बलगर संरचनासे समेत सहयोग पुगना विश्वासके साथ प्रदेश सरकारसे जिल्लाके टमान स्थानीय तहमे लावा दुई कोठे विद्यालय भवन निर्माण करटी रहल सामाजिक विकास कार्यालय दाचुलाके कार्यालय प्रमुख रामचन्द्र ओझा जानकारी डेलै ।

प्रदेश सरकारसे गत आर्थिक बरस २०८०/८१ मे आठठो भवन निर्माण करलमे यी बरस थप पाँचठो लावा भवन निर्माण करटी रहल बावै । सामाजिक विकास कार्यालयके इन्जिनियर एवं सूचना अधिकारी डम्प्रसाद जोशीके अनुसार यी बरस निर्माण हुइना लावा भवनके टेन्डर होके निर्माण कम्पनीसँग ठेक्का सम्भौता होसेकल ओ निर्माणके कामसमेत सुरु होसेकल बावै ।

दाचुलामे यी बरस एक छात्रवाससहित पाँचठो लावा विद्यालय भवन निर्माणके काम हुइटी रहल बावै । विगतमे जिल्ला शिक्षा कार्यालयसे भवन निर्माण कैना करलमे सद्दीयता स्थापनापाछे प्रदेश सरकार अन्तर्गतके सामाजिक विकास कार्यालयसे विद्यालय भवन निर्माण कैटी रहल बा ।

प्रदेश सरकारके एक करोड ७७ लाख लागतमे जिल्लाके नौगाड गाउँपालिकामे एक, अपिहिमाल गाउँपालिकामे दुई शैल्यशिक्षर नगरपालिकामे एक ओ महाकाली नगरपालिकामे एक छात्रवास सहित पाँचठो लावा भवन निर्माण हुइटी रहल बावै ।

विगतके बरसमे उपभोक्ता समितिमाफत विद्यालय भवन निर्माणके काम हुइना करलमे यी बरस ठेक्का टेन्डर प्रणालीमाफत भवन निर्माण हुइ लागल हो । लावा भवन निर्माणके काम असारभित्रे करसेकना जनाइल बावै ।

छिमेकी उपभोक्ताहरुका लागि काठ/दाउरा विक्रीविरतण सम्बन्धी १० दिने सूचना

प्रथम पटक प्रकाशित मिति: २०८२/१/१३ गते

यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको वन क्षेत्रबाट आ.व. २०८१/२०८२ मा कटान भई घाटगढीमा सकलन गरी समूहको घाटगढी भइरहेको सालको काठ/दाउरा कैलाली जिल्लाभित्रका छिमेकी सामुदायिक वनका उपभोक्ताहरु, सर्घसंस्थाहरुलाई, धरायसी प्रयोजनका लागि काठ आवश्यक भएमा सोको लागि निवेदन पेश गर्न यो १० दिने सूचना प्रकाशित गरिएको छ । यो सूचनाको अवधिभित्र सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको कार्यालयमा निवेदन पेश गर्न हुन जानकारी लागि अनुरोध गरिन्छ ।

श्री सरस्वती सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह

महोन्थाल गाउँपालिका वडा नं. ५, राताखाली, कैलाली

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्भौता गरेर मात्रै काममा लागौ र लगाऔ ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौ/गराऔ ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरु उपलब्ध गराई काममा लगाऔ, लैगिक हिसाको अत्य गरौ ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा वण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौ/नगराऔ ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लानबाट बचौ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौ ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔ ।



धनगढी, कैलाली

साबुन पानीसे मिसमिस हात धुइलेसे हेग्नीपोक्नी ओ अन्य सरुवा रोगसे बँचे सेक्जाईट् ।

शिक्षक, शिक्षा ओ सरकार

नयाँ शैक्षिक सत्र सुरु होसेकल बा । निजी विद्यालयमे भना प्रक्रिया ओराके पठनपाठन सुरु हुइल । सामुदायिक विद्यालयके शिक्षक आन्दोलनमे सरिक होके शैक्षिक प्रक्रिया सब अवरुद्ध बा । पुस्तकके ज्ञान बोकेके विद्यालयमे विद्यार्थीसँग हुइपरना शिक्षक यीबेला सडक आन्दोलनमे बटै । विद्यालयके हाजिरी छोरके सडक आन्दोलनमे उत्रल शिक्षकके दिनचर्या जस्टे हुइल लागल । पाछेक समय शिक्षकके आन्दोलन शिक्षा, समाज ओ राज्यप्रति गम्भीर प्रश्न उज्जल बा । सरकार ओ शिक्षकबिच सम्भौता हुइ नैसेकनाके कारण का हो ? शिक्षकके माग का हो ? विगतमे हुइल सहमति का हो ? काहे सम्भौता कार्यान्वयन हुइल नैहो ? आन्दोलनरत शिक्षकके माग सम्बोधन करना सरकारहे कौन कानुनी व्यवस्था ओ आर्थिक अवस्था बाधा पुगैले बाट टे ?

मुलुकके टमान राजनीतिक आन्दोलन ओ नागरिक अधिकारके लाग राजनीतिकर्मीसँगसँगै समाजमे जनचेतनाके संवाहकके रूपमे शिक्षकके योगदान फेन स्मरणीय बा । विशेष कैके गणतन्त्रपाछे सरकार ओ आममनैन्मे जनचेतनाके ब्रिजके रूपमे शिक्षा ओ शिक्षकके भूमिका बा । अब्बे मुलुक शैक्षिक रूपान्तरणके चरणमे बा । शिक्षा क्षेत्रहे मर्यादित, गुणस्तरीय, अनिवार्य ओ सर्वसुलभसहित निःशुल्क बनैना अभियान सरकारके योजना रहल उद्घोष रलेसे फेन सोचल जस्टे प्रगति हुइ सेकल नैहो । सक्षम जनशक्तिके अभाव बा । सक्षम जनशक्तिहे शैक्षिक क्षेत्रमे आकर्षण करना सरकार सेकल नैहो । शिक्षकके लाग सरकारी सेवासुविधा, मान मर्यादा ओ अधिकारमे असमानता रहल गुनासो बहल बा । समाजमे शिक्षकके जिम्मेवारी का हो कना प्रश्न फेन ओत्रे उठल बा ।

शिक्षकके जिम्मेवारी

असल शिक्षक समाज निर्माणके रक्तसञ्चार हो । शिक्षक टे समाजके सपना बोक्ना संवाहक हो मने ओहे शिक्षक विद्यालय बन्द कैके आन्दोलनमे काहे लागल परल हो ? शिक्षकके माग सरकार सहजे समाधान करे नैसेकनाके कारण का हो ? नेपालमे शिक्षक आन्दोलन टमान समयमे हुइल बा । उ आन्दोलनसे शिक्षा क्षेत्रके यथार्थ अवस्था, सरकारी उदासीनता, शिक्षकके अधिकारके माग उजागर करले बा । यी आन्दोलन केवल तलब वा सुविधाके लाग किल नैहो, शिक्षाके गुणस्तर, स्थायित्व ओ गरिमा सुनिश्चित करना फेन आवश्यक बा । यी विषयमे ना सरकारके प्रभावकारी योजना देखाइल ना टे शिक्षकके जिम्मेवारी । सरकारी विद्यालयउप्पर टमान प्रश्न उठल बा ।

शिक्षा क्षेत्रके समुन्नतिके लाग सरकार किल नैहोके शिक्षकके जिम्मेवारी फेन महत्वपूर्ण बा । सामुदायिक विद्यालयमे शिक्षक आन्दोलनसे ठप्प बनल शैक्षिक गतिविधिके कारण सार्वजनिक विद्यालयके ५५ लाख विद्यार्थीके भविष्य अन्योलमे परल बा । उहाँहुकनके पठनपाठन, परीक्षा, नतिजा प्रकाशन,

विद्यालय भना जस्टे महत्वपूर्ण विषय प्रभावित हुइल ओरसे विद्यार्थीके पहे पैना अधिकार हनन हुइल बा । यहोर शिक्षक जिम्मेवार हुइ परठ । राज्य ओ शिक्षक दुनुके कारण विद्यार्थीके पहना-लिखना अधिकार हनन नैहुइ परल । अपन शिक्षण करटिरहल शैक्षिक संस्थाके नतिजा, गुणास्तरीय प्रभाव ओ समाजमे कोन मेरिक चेतना विकास करे सेकल नैहो कना मूल्यांकन शिक्षकसे आत्मबोध करे परठ । पाछेक समय शिक्षकके क्षमताके मूल्यांकन, कार्यसम्पादन ओ शैक्षिक अनुगमन एकडम फितलो बा । जेकर कारण सामुदायिक विद्यालयमे सरकारके लगानी अनुसारके कार्यप्रगति नतिजा नैदेखाइल । अभिभावक सरकारीओर विश्वस्त हुइ सेक्ना वातावरण नैहो । बाध्य होके महंगा शुल्क तिरके निजीमे बालबालिका

प्रायः स्रोतके कमी, शिक्षकके नियमितता ओ तालिमके अभाव देखाइल । यिहिनसे गरिब ओ ग्रामीण क्षेत्रके बालबालिकाहे पाछे पारल बा । शिक्षण पद्धति ओ पाठ्यक्रममे सृजनात्मक सोच, आलोचनात्मक विश्लेषण ओ व्यावहारिक सिपके विकासमे, समावेशी शिक्षा, जीवनोपयोगी सिप नन्ना प्रयास हुइलेसे फेन कार्यान्वयनमे ढिलाइ ओ स्पष्टता अभाव बा । शिक्षकके योग्यता ओ प्रशिक्षण खस्कल बा । सार्वजनिक विद्यालयमे तलब, सम्मान ओ प्रोत्साहनके अभावके कारण शिक्षकके मनोबल फेन न्यून देखाइल ।

गुणास्तरीय शिक्षाके सुनिश्चितताके लाग शिक्षकके कार्यसम्पादन मूल्यांकनके प्रभावकारिता महत्वपूर्ण रहठ । शिक्षकसँग सम्भौता होके सरकारसे विभागीय कारवाही ओ सजायके

शिक्षक आन्दोलनके शृंखला लम्मा बा । सरकारसे २०७५, २०७८ ओ २०८० सालमे कैचो शिक्षकसँग सम्भौता हुइल । कार्यान्वयनके प्रगति नैदेखाइल । अब्बे तीन साता लम्मा आन्दोलनपाछे फेन अभिन सहमति जुटे सेकल नैहो । शिक्षक महासंघके २४ बुँदे मागपत्रमे विद्यालय शिक्षा ऐनसे सम्बोधन करेपरना विषय शिक्षाके स्थायित्वके विषय, तलबमान ओ ग्रेडके सवाल, शिक्षाके सेवासुविधा, बढुवा, अस्थायी अवधि गणना ओ निवृत्तिभरणके, स्थानीय तह ओ शिक्षक व्यवस्थापन, प्रधानाध्यापक नियुक्तिके विषय, सामाजिक सुरक्षा कोष, द्वन्द्वपीडित शिक्षकके, कार्यसम्पादन, मूल्यांकन ओ सरुवाके विषय समेटल बा ।

पढाइपरना अवस्था काहे सिर्जना हुइल कना विषय शिक्षकसे आत्मसमीक्षा करना जरुरी बा ।

विद्यालय शिक्षा विधेयकमे शिक्षक महासंघ किल रहना कहल बा । शिक्षक दल निकटके संघ संगठन खोले नैपैना मेरिक विधेयकमे तयारी बा । शिक्षकहुके ट्रेड युनियन अधिकार खोज्ले बटै । संविधान अनुसार माध्यमिक तहसमके शिक्षा स्थानीय तह मातहत बा । शिक्षक स्थानीय तहमे बैठे चाहल नैहो । शिक्षक सरुवाके हकमे पालिकाभित्रे सर्त तथा मापदण्ड निर्माण करना जरुरी बा । एक विद्यालयभित्रे स्थायी ओ करार शिक्षकबिच भारी अन्तर बा । संघीयताके सन्दर्भमे शिक्षाके व्यवस्थापनहे स्थानीय तहमे हस्तान्तरण करलमे कुछ शिक्षक अपारदर्शी, अन्यायपूर्ण ओ अव्यवस्थित हुइल महसुस करठै । ओहे तहके सरकारबिच शिक्षा अधिकारके संवैधानिक व्यवस्था बा । माग अनुसार सम्बोधन करना संविधान संशोधनमाफत किल सम्भव बा उ शिक्षकसे बुझना जरुरी बा ।

शिक्षाके गुणस्तर

नेपालमे शिक्षाके गुणस्तर विगत कुछ दशकसे सुधारके प्रक्रियामे रहलेसे फेन अभिन टमान चुनौती बा । निजी विद्यालयसे प्रायः गुणस्तरीय शिक्षा, दक्ष शिक्षक, पर्याप्त स्रोतसाधन व्यवस्थापनमे चुस्त बा । सार्वजनिक विद्यालयमे भर

व्यवस्थामे पुनरवलोकन करना सहमति करना कत्रा उचित हो । शिक्षकके कार्यसम्पादन मूल्यांकनके अधिकार विद्यालय, शिक्षासम्बन्धी जिल्लास्थित कार्यालय तथा प्रादेशिक कार्यालयमे हुइपरना माग शिक्षकके बा । शिक्षकके यी माग व्यावहारिक नैदेखाइल । यन्ने शिक्षक ओ स्थानीय सरकारबिचके मतभेद बा । जोन संविधान ओ संघीयता विपरीत बा । सक्षम शिक्षकके लाग मर्यादा, सम्मान ओ अधिकार डेहे परठ । स्थानीय सरकारसे अपन अधिकार क्षेत्र अनुसार विद्यालयके अनुगमन, मूल्यांकन ओ रेखदेख करे पाइ परठ । शिक्षक, विद्यालय ओ स्थानीय सरकारबिचके सहकार्य, समन्वय ओ अपनत्वके खाँचो बा ।

शिक्षामे अभिन फेन क्षेत्रीय ओ वर्गीय असमानता कायम बा । काठमाडौँ ओ भारी सहरमे तुलनात्मक रूपमे शिक्षा मजा रलेसे फेन मधेश, सुदूरपश्चिम, कर्णाली जैसिन क्षेत्रमे अभिन पहुँच ओ गुणस्तर दुनुमे कमी बा । शिक्षा क्षेत्रके व्यवस्थापनके लाग शिक्षकके वृत्तिविकास, तलब, सेवासुविधा, तालिमलगायतमे शिक्षाके लाग छुट्टना बजेटके ८० प्रतिशत रकम राज्य खर्च करटि आइल बा । सामुदायिक विद्यालयके नतिजा करिब ३० प्रतिशत किल बा । निजीके नतिजा भर ९० प्रतिशतसम बा । निजी विद्यालयके

विचार भुवन न्यौपाने

शिक्षकके सेवासुविधा ओ तलब सामुदायिकके से न्यून बा । नतिजामे भर निजी विद्यालय अब्बल हुइल बा । अनिवार्य शिक्षामे राज्यके लगानी का हो ? शैक्षिक गुणस्तरके मापन कहाँ बा ? निजी ओ सरकारी विद्यालयके शैक्षिक गुणस्तर, नतिजा, शिक्षकके सेवा सुविधामे सरकारके असमानतासे समग्र समाज विभक्त बा । आव शिक्षा क्षेत्रमे समग्र रूपान्तरणके लाग बहुपक्षीय संयोजनके खाँचो बा ।

सरकारके दायित्व

सार्वजनिक शिक्षाके गुणस्तरीय व्यवस्थापन ओ समुन्नतिके जिम्मेवारी राज्यके हो । सार्वजनिक शिक्षामे लगानी नैबहुटसम राज्य समृद्ध ओ सुखी बने नैसेकि । शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयके अनुसार हाल सरकार ओ दातृ निकायके कैके शिक्षामे कुल रकम दुई खर्बजत्रा बा । ओकर ८० प्रतिशत रकम शिक्षकके तलब, सेवासुविधा ओ वृत्तिविकासमे खर्च हुइना करल मन्त्रालयके तथ्यांक बा । देशके कुल २८ हजार सार्वजनिक विद्यालयमे करिब ७० लाख विद्यार्थी अध्ययनरत बटै । एक लाख ढेर शिक्षक दरबन्दी बा । विद्यार्थी ओ शिक्षाके अनुपात अनुसार शिक्षक अपुग हो । देशमे हाल कायम रहल निजी ओ सरकारी शिक्षाके विभेद बा । एकओर, संविधानसे निःशुल्क ओ अनिवार्य शिक्षाके व्यवस्थासे निजी रहना नैहुइना बहस फेन चलल बा । अकओर, सरकारी क्षेत्रके गुणस्तर ओ नतिजा खस्कल बा । शैक्षिक असमानता फेन बहल बा । यी चिन्ताके विषय हो ।

शिक्षक आन्दोलनके शृंखला लम्मा बा । सरकारसे २०७५, २०७८ ओ २०८० सालमे कैचो शिक्षकसँग सम्भौता हुइल । कार्यान्वयनके प्रगति नैदेखाइल । अब्बे तीन साता लम्मा आन्दोलनपाछे फेन अभिन सहमति जुटे सेकल नैहो । शिक्षक महासंघके २४ बुँदे मागपत्रमे विद्यालय शिक्षा ऐनसे सम्बोधन करेपरना विषय शिक्षाके स्थायित्वके विषय, तलबमान ओ ग्रेडके सवाल, शिक्षाके सेवासुविधा, बढुवा, अस्थायी अवधि गणना ओ निवृत्तिभरणके, स्थानीय तह ओ शिक्षक व्यवस्थापन, प्रधानाध्यापक नियुक्तिके विषय, सामाजिक सुरक्षा कोष, द्वन्द्वपीडित शिक्षकके, कार्यसम्पादन, मूल्यांकन ओ सरुवाके विषय समेटल बा ।

सरकार ओ शिक्षकबिच विगतमेहुइल सहमति काहे कार्यान्वयन नैहुइल । सरकारसे राजनीतिक स्वार्थके कारण सहमति करना मने शिक्षकसे सरकार ओ राजनीतिक दलहे गलैना प्रवृत्तिसे कुछ सहमति कार्यान्वयन हुइ सेकल नैहो । शैक्षिक योग्यता, गुणस्तरीय शिक्षा, प्रतिस्पर्धा ओ छनोटके सिद्धान्तबमोजिम सक्षमहे परीक्षा प्रणालीसे स्थायी (*बाँकी ३ पेजमे*)

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक: हमार यहाँ बोइलर मूर्गानके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी । <i>नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम उतिभरीके सुविधा बा ।</i> प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल बेयाबेहदी चौक, धनगढी कैलाली शारद उर्मावि लगे मो. ९८११६३५६८० एक्चुलेन्स नम्बर ९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८००६८, ९८१४६६०२८५ प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०११- ४२१३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०११-४२११४०,१०० बडा प्रहरी कार्यालय ०११-४२१२९१,११०	ईपिका अतरीया ०११-४४०१२२ त्रिनागर प्रहरी चौकी ०११-४२११८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०११-४२११४३ ईपिका मसुरिया ०११-४०२०१४४ ईपिका चौमाला ०११-६९३४७१ ईपिका लम्की ०११-४४०११९ ईपिका भजनी ०११-४८०११९ ईपिका सुखुखड ०११-४२११६६ ईपिका मालाखेती ०११-४४०११२ ईपिका फल्टरे ०११-६०२३३० ईपिका हसुलिया ०११-४२११४४ ईपिका पाण्डौन ०११-४०११४०४ सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०११-४२१२०६ ईपिका टीकापुर ०११-४६०११९ स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६१२८ बैक नेपाल राष्‍ट्र बैक ०११-२१३३२२ नवजिवन बैक ०११-४२३६४३ कृषि विकास बैक ०११-४२११३३ मालिका विकास बैक ०११-४२३७३८ बैक अफ काठमाण्डौ ०११-४२३३८६ बैक अफ एसिया ०११-४२४६४०	नेपाल कलादेश बैक ०११-४२१०८५ सिटिजन बैक ०११-४२०४८५ कुमारी बैक ०११-४२६०३८ सलारसिङ बैक ०११-४२४८४० नेपाल इन्जिनेरिंग बैक ०११-४२३७०६ एनएमडी बैक लि. ०११-४२१२१६ सरकारी कार्यालय जिल्ला प्रशासन .०११-४२११११ जिल्ला विकास .०११-४२३४६० नगरपालिका . ०११-४२१४२९ मालपोत .०११-४२१२०१, नापी शाखा .०११-४६०४०२ कृषि विकास .०११-४२३२४५, भूमि सुधार .०११-४२१२२४ जिल्ला हुलाक .०११-४२११४२, नेपाल बाल संगठन .४२३६६५ अस्पताल सेती अञ्चल .०११-४२१२०१ नवजिवन ०११- ४२१२३३/४२१७३३ नेपाल मेडिकल हल धनगढी ०११-४२३४३४ पद्मा धनगढी ०११-४४०३४४ सेवा लर्निङ होम अतरीया ०११-४४०७१७ एक्चुलेन्स मसुरिया ०११-४२१०८८१ घोडाघोडी अस्पताल सुखड ०११-६९४४०० टीकापुर अस्पताल ०११-४६०१४०	दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०११-४२१३३३ कैलाली उ.बा.संघ ४२१३३७, ४२३९१७ एक्चुलेन्स : ४२१६०० सामुदायिक एक्चुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४४४७४० बिद्युत : ४२११४४ दिनेश मेटल ०११-४२३३९२ होटल बिजौली ०११-४२३११८/४२४१३१ जगदम्बा ०११-४२३४१०, बिजौली ०११-४२३७३३ तरुण ०११-४२३६९३, सनलाईट ०११-४२१४३६ वर्ल्ड लिंक धनगढी : ४२०१४१ बालुवाजा ०११-४२२८३०/४२२९०१ नेपाल पत्रकार महासंघ : ४२०१२२ शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०११-४२१२२३ सुदूरपश्चिम अञ्चल क्याम्पस ०११-४२३११२ रेडवर्ब बहुमुखी क्याम्पस ०११-४२१०७९ राजनैतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४११४ नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२०१०० बसपाके कागडर धनगढी : ०११-४२१२४२ एफएम दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी : ०११-४२६०७१
--	---	---	---

साहित्यिक फूलारिया

गजल	गजल
निष्पुत्री चौधरी	सागर कुस्मी संगत
मैयाँमे घात कर्बौत प्रिया पाप लागी !! पक्क म्वाँर यि आँशके सराप लागी !! दुर जाव तुँ शितर चाँदम गैलसेफे !! जली तुँहार उ दिल मुटुम चाप लागी !! चोखो दिलेसे खेल्बाद कर्ना तुहाँर बैँश !! करी पश्चात्ताप रुईना करकाप लागी !! कलंकीत हुईबो समाज डगर मन्दिर्म !! विश्वास घाती कैखे तुँहीन छाप लागी !! असिन धब्बा लागीकी तुहिन याद करो !! जीन्दगी एकघनी बँच्ना अभिशाप लागी !! शान्तिनगर, बैशा, दाङ	आभ हमार संस्कृति कहाँ हेरैटि गइल । प्रगतिके डगगर खटहम् भरैटि गइल । थारुन्के ढुकढुकिपन शिक्षाके ज्योतिहे, हरेक नेपालीहे युद्धमे लरैटि गइल । बुद्धके डेहल उपडेसहे पन्छ्याके आभ, बिकास नैकर्क परम्परा सरैटि गइल । कैसिक कटि जिनिंग अशान्तिके फैलल् बा, अशान्तिक् आवाज आगिमे बरैटि गइल । हत्या हिंसासे सब जन्टन्के मन रुइल, समाजके अस्तित्वहे आगिम् जरैटि गइल । धनगढी, कैलाली
मुक्तक	मुक्तक
रामचरण कुस्मी	अकेली (सम्झना) सहयात्री
डाङमे गैनु टे खुब चिटैनु मै सुग्घर बठिन्या । बड्डीहे कनु नैमिल्लै हो वाहाँ टोर सौटिन्या ॥ खुब चिटैनु हेरो बड्डी टोर लाग सौटिन्या मने अजकल सब बन्सेकल रठै औरक गोसिन्या ॥ टीकापुर, कैलाली	बारम्बार तुहिन मैयक पात पर्हाइ पर्ता ! नजरसे नजर मिलाके आखिँ लर्हाइ पर्ता ! सबकुछ भुलैती जिउ दाउमे लगैलेसेफेन ! यी अत्घतहा मनहन एकतर्फी मर्हाइ पर्ता ! गेरुवा-६, बर्दिया, मनाउँ रामनगर

साप्ताहिक बाल स्तम्भ



सलिना चौधरी, कक्षा: ९
बेदान्त विद्यापीठ
धनगढी, कैलाली



प्रियंका चौधरी, कक्षा: ३
बेदान्त विद्यापीठ, धनगढी, कैलाली

शिक्षक, शिक्षा...

करैनाओर शिक्षक सरकार दुनु सहमत हुइना जरुरी बा । सामुयिक परिवेशमे शिक्षकके बढुवा प्रणाली ओ पारदर्शिता, तलबमानके समायोजन, सामाजिक सुरक्षा कोषके व्यवस्था, ग्रेड समायोजन, मर्यादा क्रम कायम करना, दुर्गम भत्ता, द्वन्द्वपीडित शिक्षक उपदान बा निवृत्तिभरण पनेन सरकारके दायित्वभित्तर परठ । देशके बदलटि परिस्थिति अनुसार शिक्षा ऐनमार्फत

विद्यालयके पुनर्संरचना ढिला करना कदापि नैहो । निष्कर्षमे, सरकार सबके अभिभावक हो । शिक्षक समाजके ऐना हो । सरकारसे शिक्षकके आन्दोलनके अवमूल्यन करना, शिक्षकसे शिक्षण छोरेके राजनीति ओ आन्दोलन करना प्रवृत्ति शोभनीय नैरहठ । कुछ, संवैधानिक, कानुनी ओ आर्थिक अड्चनहे शिक्षक आन्दोलनसे बुझ्न फेन जरुरी बा । साथे, सरकार कैचो उधार सहमति कैके कार्यान्वयन विमुख हुइ

नैपाइ । शिक्षा क्षेत्रमे राजनीतिक हस्तक्षेप नैहो कि रूपान्तरणके खाँचो बा । यकर लाग सरकार, अभिभावक, शिक्षक ओ विद्यार्थी ओ समुदाय सबके सहयोग, सहकार्य, समन्वयनकारी भूमिका रहठ । समग्र शिक्षा क्षेत्रके समुन्नतिके लाग शिक्षक ओ सरकारबिचके शिघ्र संवादमार्फत सहमति कैके शिक्षकहे कक्षाकोठामे उत्साहके साथ पठनपाठनमे लगना वातावरण मिलैना अब ढिला करे नैपरल ।

सम्पादक: गोरखापत्र दैनिकसे

बचत ! सम्पन्नता !! समृद्धि !!!



नवजीवन सहकारी संस्था लिमिटेड

धनगढी, कैलाली

निमन्त्रणा !

यस नवजीवन सहकारी संस्था लिमिटेड धनगढी, कैलालीको नवजीवन खाद्य उद्योगबाट उत्पादित चामलको बजारिकरण तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम तपसिलको मिति समय र स्थानमा हुने भएकोले यहाँको गरिमामय उपस्थितिका लागि विनम्र अनुरोध गर्दछौं ।

मिति
२०८२ बैशाख १३ गते, शनिवार

समय
दिउसो १२ : १५ बजे

स्थान
Ananda Events & Meetings
Baneshwor, Kathmandu
01-4585111

(देव बहादुर बम)
अध्यक्ष
नवजीवन सहकारी संस्था लिमिटेड
धनगढी, कैलाली
९८५८४२०३३२

लेकम गाउँपालिकाको जनहितमा जारी सन्देश

- व्यक्तिगत घटना जन्म, मृत्यु, बसाइँसराइ र सम्बन्ध विच्छेद जस्ता व्यक्तिगत घटना ३५ दिन भित्र वडा कार्यालयमा गएर दर्ता गरि प्रमाणपत्र लिऔं ।
- पालिकालाई बुझाउनुपर्ने घर जग्गा कर मालपोत दस्तुर र व्यवसाय लगायतका कर समयमै तिर्औं ।
- सार्वजनिक जग्गा र सम्पत्ति संरक्षणमा पालिकालाई सहयोग गरौं ।
- सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्न आवश्यक योग्यता र कागजात सहित वडा कार्यालय बाट प्राप्त गर्ने सेवा सुविधाका लागि वडामै सम्पर्क राखौं ।
- कुनै पनि व्यवसाय दर्ता गरेर मात्र संचालन गरौं ।
- आमा र बच्चा दुवैको सुरक्षाको लागि बर्थिङ सेन्टरमा नै सुत्केरी गराऔं ।
- अपांग परिचयपत्रको लागि महिला बालबालिका शाखामा सम्पर्क गरौं ।
- बालबिवाह न्युनिकरण गर्न र सकारात्मक सोचको विकास गर्न हातेमालो गरौं ।
- पालिकाले गरिरहेका हरेक विकास निर्माणका कार्यहरूमा सहभागी भइ गुणस्तरीयता तथा दिगोपना कायम गर्ने कुरामा सचेत बनौं । पालिकालाई आवश्यक सल्लाह सुझाव दिने गरौं ।



लेकम गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

दार्चुला



बालबालिकामा हुने सबैखाले रोग र समस्याहरू बाट छुटकारा

नवजात शिशु तथा बालरोग सम्बन्धी उपचार तथा समस्याहरू

- बच्चाको दमको जाच, दममा प्रयोग हुने Spirometry
- बारम्बार रुघारसोकी लागिरहने समस्या
- छ्यार(छ्यार भइरहने, नाक बन्द भइरहने समस्या
- निमोनिया तथा प्लगीको समस्या,
- खाना नखाने, तौल नबढ्ने,बारम्बार जोरो आहिरहने
- भाडापखाला लागिरहने, ज्विडस, अपच,कब्जियत,
- पेट दुख्ने र कान पाक्ने जस्ता समस्याहरू



डा.पुष्प राज अवस्थी
MBBS, MD (Paediatrics)
DM (Paediatrics Critical Care)
PGIMER (India), NMC No. 11987

डाक्टर आउने मिति **बैशाख १२-१३ गते**



Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
Tel. 091-527000/01/02, 9865680100

Advanced Healthcare for all...

कैलारीमे यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार सम्बन्धी स्थानीय कानूनके मस्यौदाबारे छलफल



पहुरा समाचारदाता हसुलिया, १२ वैशाख । कैलारी गाउँपालिकाके यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार सम्बन्धी स्थानीय कानूनके मस्यौदाबारे शुक्रके रोज हसुलियामे छलफल कार्यक्रम सम्पन्न हुइल बा ।

महिला कानून र विकास मञ्च काठमाडौंके आर्थिक सहयोग, केयर नेपालके प्राविधिक सहयोग ओ कैलारी गाउँपालिकाके समन्वयमे हुइल कार्यक्रम गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल हो । कार्यक्रममे सम्बोधन करटी उहाँ ऐन पालिकाके सम्पत्तिके रूपमे रहल ओरसे हालहाली ल्याने पर्ना बटैले रही ।

कार्यक्रम वडा नम्बर ५ के वडा अध्यक्ष विष्णुप्रसाद चौधरी, सामाजिक विकास शाखा प्रमुख यगम कलेल ऐन कानून बनाके कार्यान्वयन करेपर्ना जोर देहल रहित । कार्यक्रममे महिला तथा बालबालिका शाखा प्रमुख बालकुमारी चौधरी, स्वास्थ्य शाखाके अनिता चौधरीलगायतसे सुभाब देहल रहित । यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार

सम्बन्धी स्थानीय कानूनके मस्यौदाबारे छलफलमे उ कार्यक्रमके उद्देश्य उपर मञ्चके कार्यक्रम प्रबन्धक दिपेश श्रेष्ठ प्रकाश पारल रहित कलेसे उ मस्यौदाके प्रस्तुतीकरण मञ्चके कार्यकारी निर्देशक सविन श्रेष्ठ करल रहित ।

कार्यक्रमके संचालन केयर नेपालके कालिदास जोशी ओ स्वागत मन्तव्य स्वास्थ्य शाखा प्रमुख नरेशकुमार चौधरी करल रहित । कार्यक्रममे वडाके वडाअध्यक्षहुके, टमान शाखाके प्रमुख, कार्यपालिका सदस्यहुकने सहभागिता रहे । यिहे सुरक्षित मातृत्व तथा प्रजनन स्वास्थ्य ओ अधिकार ऐन २०८२ के मस्यौदा गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरीलगायत गाउँपालिकाहे हस्तान्तरण कैगिल बा ।

ओस्टेक करके भजनी नगरपालिकामेके यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य सम्बन्धी स्थानीय कानूनके मस्यौदाबारे विफेक रोज भजनीमे छलफल कैगिल बा । महिला कानून र विकास मञ्च काठमाडौंके आर्थिक सहयोग, केयर नेपालके प्राविधिक सहयोग ओ भजनी

नगरपालिकाके आयोजनामे भजनी नगरपालिकाके यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार सम्बन्धी स्थानीय कानूनके मस्यौदामे छलफल सम्पन्न हुइल रहे ।

भजनी नगरपालिकाके नगर प्रमुख केवल चौधरी संविधानमे उल्लेखित महिलाके यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य अधिकारहे कार्यान्वयन करेक लाग स्थानीय तहहे आवश्यक पर्ना कानून निर्माणके कार्यान्वयन कैना विषयमे छलफल कैना बटैले ।

भजनी नगरपालिका नगर उपप्रमुख राजु तिरुवाके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे उहाँ यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य सम्बन्धी बनाइल ऐनके मस्यौदाहे आवश्यक छलफल सहित कार्यपालिकासे पास कैना बटैली । महिलाके स्तरवृद्धि सहित थप सशक्त बनाईक लाग समुदायस्तरमे यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार सम्बन्धी सचेतना अभिवृद्धि कैना आवश्यक देखल उहाँ बटैली ।

प्रमुख पशासकीय अधिकृत नीलमकुमार न्यौपाने यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य सम्बन्धी बनाइल ऐनके मस्यौदा उपर छलफल कैना बटैले । उहाँ ऐनके मस्यौदाहे थप सशक्त बनैना आवश्यक सल्लाह सुभाब सहित पालिकाके स्वास्थ्य शाखामे बुझाई सेक्ना बटैले ।

कार्यक्रममे वडा नं १से ९ समके वडा अध्यक्ष, प्रसाशन अधिकृत चन्ददेव भट्ट, कार्यपालिका सदस्य ओ विषयगत शाखा प्रमुख लगाएतके सहभागिता रहे । उ कार्यक्रमके उद्देश्य उपर मञ्चके कार्यक्रम प्रबन्धक दिपेश श्रेष्ठ प्रकाश पारल रहित कलेसे उ मस्यौदाके प्रस्तुतीकरण मञ्चके कार्यकारी निर्देशक सविन श्रेष्ठ करल रहित । कार्यक्रमके समन्वय तथा सहजीकरण कालिदास जोशी ओ कैलाश चौधरी करल रहित ।

भादामे होमस्टे महोत्सव हुइना

पहुरा समाचारदाता धनगढी, १२ वैशाख । थारु होमस्टे गाउँ भादामे सुदूरपश्चिम प्रदेश स्तरीय होमस्टे महोत्सव हुइना हुइल बावै ।

धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर १६, स्थित होमस्टे गाउँ भादामे इहे वैशाख १८, १९ ओ २० गते तीन दिने प्रदेश स्तरीय होमस्टे मेला महोत्सव हुइना हुइल हो । आयोजक थारु होमस्टे गाउँभादा पर्यटन विकास तथा व्यवस्थापन समिति शुक्रके रोज धनगढीमे पत्रकार सम्मेलन मार्फत महोत्सव बारे जानकारी देहल हो ।

समितिके अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण चौधरी प्रदेशके टमान जातजाति तथा समुदायमे सञ्चालित होमस्टेके बजारीकरण ओ व्यवसायीकरण कैना उद्देश्यसे महोत्सव आयोजना करे लागल बटैले ।

प्रदेशमे रहल टमान जातजाति तथा समुदायके परम्परा, संस्कार, संस्कृति,



खानपान, भेषभुषा, शिपकला, प्राकृतिक सम्पदा, पर्यटकीय गन्तव्यके प्रचारप्रसार ओ प्रदर्शक पहिचानहे होमस्टे पर्यटन व्यवसाय मार्फत राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय स्तरमे पुगाइक लाग महोत्सवके मुख्य उद्देश्य रहल होमस्टे महासंघ नेपाल सुदूरपश्चिम प्रदेश अध्यक्ष दिनेश दहित बटैले ।

महोत्सवके प्रवर्द्धकमे प्रदेश पर्यटन विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन इकाई धनगढी, समन्वय होमस्टे (घरबास) महासंघ नेपाल सुदूरपश्चिम रहल बावै ।

महोत्सव दिपेन्द्र चारपाते माविके खेल मैदानमे हुइना जनाइल बावै । महोत्सवके आकर्षकमे हरेक दिन टमान जातजाति तथा समुदायके नाचगान, टमान समुदायके खानाके परिकार, शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे जंगल सफारी रहल बावै ।

ओस्टेके खेलकूदमे श्लो साइकल रेस, गरीफोर, भलादमी दौड, पेनाल्टी सुटआउट, स्थानीय तथा राष्ट्रिय कलाकारके प्रस्तुती, थारु हस्तकलाके प्रदर्शनी रहल बावै । महोत्सवमे एकलाख जाने अवलोकन कैना जनाइल बावै ।

चट्याडबाट बच्ने उपायहरू

- फोन, कम्प्युटर, गेम, रेडियो, टेलिभिजन जस्ता विद्युतीय सामग्री नचलाउने, विद्युतीय तरंग टिप्न सक्ने फलाम, चिसो वस्तु नछुने ।
- बिजुली चम्केको आधा घन्टासम्म पानी परेको क्षेत्रको १० माइलको परिधिमा कतै ननिस्कने ।
- सकेसम्म घरभित्रै भयालढोका बन्द गरेर सुक्खा ठाउँमा बस्ने ।
- खुला ठाउँमा भए कुनै घर अथवा भवनमा छिर्ने, सम्भव नभए कडा छाना भएको कार, बस वा ट्रकभित्र बस्नेस अग्लो पहाड, ढिस्को र रुखमुनि तथा जमीनमा नबस्ने ।
- बिजुलीको व्यवस्था भएको ठाउँमा अग्ला घरहरूको निर्माण गरेमा लाईटनिङ रडको प्रयोग गर्ने ।
- पानी परेको वा गर्जिएको बेला घर बाहिर ननिस्कने ।
- यस्तो बेला ठूला रुख, बिजुलीका तार, पोल तथा ट्रान्समिटरको तर नबस्ने ।
- घर बाहिर भए कुनै सुरक्षित ठाउँ वा ओडारमा बस्ने ।
- बिजुलीको राम्रोसँग अर्थिड गर्ने ।
- भवन तथा अरु अग्ला संरचनामा चट्याड पर्न नदिन त्यस्ता संरचनाको सबैभन्दा माथिल्लो भागमा धातुजन्य एन्टेना राखी त्यसमा तार जोडेर जमिनमा लगेर र गाड्नुपर्छ जसका कारण त्यस क्षेत्रमा चट्याडको बेला विद्युतिय चार्ज आएमा तार हुँदै पृथ्वी सम्म पुग्छ र क्षति गर्न पाउँदैन ।



लेकम गाउँपालिका गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय दार्चुला

सूर्य सावउसको अनुरोध

वनलाई डटेलोबाट बचाउन निम्न उपायहरू अपनाऔं ।

- चुरोट तथा बिडीका ठुटाहरू जथाभावी नफालौं, सलाई चुरोट तथा बिडीका ठुटाहरू राम्रोसँग निभाऔं ।
- जंगलमा घाँस पलाउने आसमा वनमा डहेलो नलगाऔं ।
- हुरी बतास चल्ने ठाउँमा आगो नबालौं, बाल्ने परे होसियार अपनाऔं ।
- डहेलो बाट वन जोगाऔं, जैविक विविधताको संरक्षण गरौं ।
- आगलागी भई हालेमा स्थानीय सुरक्षा निकाय र वन कार्यालयमा खबर गरौं, सबै मिली निभाऔं ।
- वन क्षेत्रको बाटोको दायाँ-बायाँ रहेका पतिंगर सल्लीपिरलहटाइ सफा राखौं ।
- गाउँ टोलमा आगलागी तथा वन डहेलोको रोकथामको बारेमा आजैबाट कुरा गरौं (जनचेतना फैलाऔं) ।
- पानीको मुहान पोखरी र दहको संरक्षण तथा संवर्द्धन गरौं ।
- वनमा डहेलो लगाउने कार्य दण्डनीय अपराध भएकाले त्यस्ता व्यक्तिहरूलाई कानूनी कारवाहीको दायरामा ल्याऔं ।

सूर्य सावउस परिवार

भजनी-४, कुँडी, कैलाली

ओमशान्ति सावउसको अनुरोध

वनलाई डटेलोबाट बचाउन निम्न उपायहरू अपनाऔं ।

- चुरोट तथा बिडीका ठुटाहरू जथाभावी नफालौं, सलाई चुरोट तथा बिडीका ठुटाहरू राम्रोसँग निभाऔं ।
- जंगलमा घाँस पलाउने आसमा वनमा डहेलो नलगाऔं ।
- हुरी बतास चल्ने ठाउँमा आगो नबालौं, बाल्ने परे होसियार अपनाऔं ।
- डहेलो बाट वन जोगाऔं, जैविक विविधताको संरक्षण गरौं ।
- आगलागी भई हालेमा स्थानीय सुरक्षा निकाय र वन कार्यालयमा खबर गरौं, सबै मिली निभाऔं ।
- वन क्षेत्रको बाटोको दायाँ-बायाँ रहेका पतिंगर सल्लीपिरलहटाइ सफा राखौं ।
- गाउँ टोलमा आगलागी तथा वन डहेलोको रोकथामको बारेमा आजैबाट कुरा गरौं (जनचेतना फैलाऔं) ।
- पानीको मुहान पोखरी र दहको संरक्षण तथा संवर्द्धन गरौं ।
- वनमा डहेलो लगाउने कार्य दण्डनीय अपराध भएकाले त्यस्ता व्यक्तिहरूलाई कानूनी कारवाहीको दायरामा ल्याऔं ।

ओमशान्ति सावउस परिवार

भजनी-९, पचमुडिया, कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन नं. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९



नाम दर्ता गरी दुक्क हुनुहोस् !

पाचन प्रणाली रोग तथा कलेजो

प्रत्यारोपण विशेषज्ञ निसर्ग हस्पिटल धनगढीमा

सबै खाले पेट, कलेजो
अनि पाचन प्रणाली सम्बन्धि
समस्याहरू

- खाना नपच्ने, उच्चास्ट्राइडिस, पखाला
- कब्जियत, जडिडिस, अपच, ओक नलाउने
- बारम्बार बान्ता र वाकवाकी लाग्ने
- छाती दुख्ने र जलन हुने, मिठ्ठन जाह्रो हुने
- पेट देरुने, पेट फुल्ने, एसिड रिफ्लक्स, तौल घट्ने
- दिसा र बान्तामा रगत बग्ने, रगतको कमि हुने



डा. शीखर पौडेल

MBBS, MD (PGIMER, Chandigarh)
DM Gastroenterology (AIIMS, New Delhi)
Fellowship in Liver Transplant Hepatology
NMC No. 11983

डाक्टर आउने मिति **वैशाख १२-१३ गते**

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali Nepal
Tel. 091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

SPREADING THE RADIANCE OF GOOD HEALTH